न्यूज डायरी

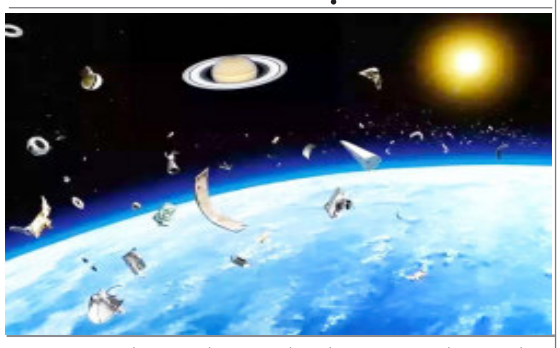

अंतरिक्ष में बढ़ते कचरे से पृथ्वी के चारों ओर बन सकता है शनि जैसा छल्ला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अंतरिक्ष में लगातार बढ़ते सैटेलाइट्स के कचरे के कारण वैज्ञानिक टेंशन में हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर इन्हें नहीं रोका गया तो अंतरिक्ष कचरे से पृथ्वी के चारों ओर शनि जैसा छल्ला बन सकता है। वर्तमान में अंतरिक्ष मलबे के 1 करोड़ 70 लाख से अधिक टुकड़े तैर रहे हैं। इनमें प्राकृतिक उल्कापिंड, कृत्रिम वस्तुओं के टूटे हुए टुकड़े और निष्क्रिय उपग्रह शामिल हैं। अमेरिका के यूटा विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने बताया है कि आज अंतरिक्ष इतना कबाड़ से भर गया है कि हमें मैग्नेट टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर पृथ्वी के चारों ओर शनि जैसा छल्ला बनाना पड़ेगा। अगर ऐसा नहीं किया गया तो लगातार बढ़ती संख्या के कारण इनके दूसरे अंतरिक्षयान और सैटेलाइटों से टकराने का खतरा भी बढ़ जाएगा। इनमें से कुछ टुकड़े तो मात्र 10 सेंटीमीटर जितने बड़े हैं।

कम्युनिस्ट चीन की मदद से अपने ही लोगों को गुलाम बना रहे इमरान खान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान कम्युनिस्ट चीन की मदद से अपने ही देश के अवाम को गुलाम बना रहे हैं। यही कारण है कि बलूचिस्तान के बाद अब ग्वादर में भी जबरदस्त विरोध प्रदर्शन हो रहा है। लोग चीन पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर का विरोध कर रहे हैं। उनका आरोप है कि सीपीईसी के कारण उनकी आजादी पर प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। पूरे ग्वादर में चीन के निवेश की सुरक्षा के लिए पाकिस्तान पुलिस ने जगह–जगह चेक पोस्ट बना रखे हैं। इन चेक–पोस्ट को पार करने के दौरान हर एक पाकिस्तानी की गहन जांच की जाती है। पूरे ग्वादर में पानी और बिजली की भारी कमी देखी जा रही है। इमरान सरकार लोगों के हिस्से की बिजली और पानी की सप्लाई चीनी कंपनियों को कर रही है। चीन ने ग्वादर को ही सीपीईसी का बेस बनाया है। इसलिए इस शहर में चीनी कंपनियां बड़ी संख्या में निर्माण कार्य कर रही हैं। बिजली–पानी न मिलने से लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया है।

अल्बर्ट आइंस्टीन की लिखी दुर्लभ पांडुलिपि हो रही नीलाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेरिस। अल्बर्ट आइंस्टीन के सापेक्षता के सिद्धांत से संबंधित दुर्लभ नोट (पांडुलिपि) को पेरिस में नीलाम किया जा रहा है। आइंस्टीन ने इन नोट्स पर सापेक्षता के सिद्धांत के लिए प्रारंभिक कार्य किया था। नीलामी कर रहे लोगों ने उम्मीद जताई है कि उन्हें इस नोट्स से 2.5 मिलियन पाउंड (लगभग 25 करोड़ रुपए) से ज्यादा की राशि मिल सकती है। नीलामी किया जा रहा दस्तावेज 54 पेज का है। आइंस्टीन–बेस्सो पांडुलिपि को 1913 से 1914 में स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में 34 साल के आइंस्टीन और उनके स्विस इंजीनियर दोस्त मिशेल बेसो ने हाथों से लिखा था। इस पांडुलिपि की नीलामी कर रहे पेरिस के अगुट्स ऑक्शन होम के क्रिस्टी ने कहा कि हमें इसके दो से तीन मिलियन यूरो के बीच बिकने का अनुमान है।

बुल्गारिया में बड़ा हादसा, बस में आग लगने से 46 लोगों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सोफिया। पश्चिमी बुल्गारिया में एक बड़ा हादसा हुआ। जब एक राजमार्ग पर तड़के उत्तरी मैसेडोनियन प्लेटों वाली एक बस में आग लग गई। बस में लगी आग से कम से कम 45 लोगों की मौत हो गई। दिल दहलाने वाली इस दुर्घटना में मासूम बच्चे भी आग की चपेट में आ गए। वहीं सात पीड़ित लोग जो आग में बुरी तरह झुलस गए हैं, उन्हें सोफिया के एक आपातकालीन अस्पताल में ले जाया गया है। बस दुर्घटना की पूरी जानकारी आंतरिक मंत्रालय में अग्नि सुरक्षा विभाग के प्रमुख निकोलाई निकोलोव ने निजी बीटीवी टेलीविजन को दी। निकोलोव ने दुर्घटना के तुरंत बाद कम से कम 45 लोगों के मारे जाने की खबर दी थी। जो उनके मंत्रालय ने बाद में घटना का अपडेट देते हुए बताया की अब मरने वालों की संख्या 46 हो गई है। आपको बता दें कि बस में कुल 53 लोग मौजूद थे। फिलहाल बस दुर्घटना के बाद उस जगह को सील कर दिया गया है।

अभिनंदन को मिला सम्मान तो लाल हुआ पाकिस्तान

पाकिस्तान का दावा- अभिनंदन ने हमारे एफ–16 को नहीं मार गिराया था

प्रतिक्रिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पाकिस्तान। भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन अभिनंदन वर्धमान को शौर्य चक्र से नवाजे जाने पर पाकिस्तान को मिर्ची लग गई है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने अभिनंदन के सम्मान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। पाकिस्तान ने जहर उगलते हुए सच्चाई को स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया है। जबकि, पूरी दुनिया जानती है कि फरवरी 2019 में भारत के ग्रुप कैप्टन अभिनंदन ने अपने मिग–21 बाइसन लड़ाकू विमान से पाकिस्तान के एफ–16 को मार गिराया था।

पाकिस्तानी विदेश कार्यालय का सच्चाई स्वीकारने से इनकार: पाकिस्तानी विदेश कार्यालय ने लगभग ढाई साल बाद भी सच्चाई को स्वीकारने से साफ इनकार किया है। कार्यालय ने कहा कि पाकिस्तान पूरी तरह से निराधार भारतीय दावों को स्पष्ट रूप से खारिज करता है कि फरवरी 2019 में पाकिस्तान अधिकृत

कश्मीर में पकड़े जाने से पहले एक भारतीय पायलट ने पाकिस्तानी एफ–16 विमान को मार गिराया गया था।

पाकिस्तान ने भारत पर लगाया झूठे दावे का आरोप: पाकिस्तान ने यहां तक दावा किया कि अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ अमेरिका के अधिकारियों ने भी एफ–16 विमान को मार गिराने के दावे को खारिज किया था। इस बयान में पाकिस्तान ने भारत के ऊपर झूठ बोलने का आरोप तक लगा दिया। पाकिस्तान ने कहा कि वीरता के शकाल्पनिक कारनामों के लिए सैन्य सम्मान देना सैन्य आचरण के हर मानदंड के विपरीत है।

अभिनंदन ने 2019 में पाकिस्तान के साथ हवाई संघर्ष के दौरान दुश्मन के एफ–16 लड़ाकू विमान को मार गिराया था। इस दौरान उनके मिग–21 बाइसन को एक मिसाइल लग गई, जिससे उन्हें पाकिस्तान में तीन दिन तक बंधक बनकर रहना पड़ा था। बाद में भारत के कड़े रूख को देखते हुए अमेरिका के दबाव में पाकिस्तान ने अभिनंदन को रिहा कर दिया था।

पाकिस्तानी मीडिया में छाए अभिनंदन पाकिस्तानी अखबार डॉन ने लिखा कि भारतीय वायु सेना के पायलट अभिनंदन वर्धमान को वीर चक्र से सम्मानित किया गया है। वीर चक्र, परमवीर चक्र और महावीर चक्र के बाद तीसरा सबसे बड़ा युद्धकालीन वीरता पुरस्कार है। अभिनंदन को फरवरी 2019 में एक पाकिस्तानी ए–16 विमान को मार गिराने के दौरान विशिष्ट साहस दिखाने के लिए सम्मान दिया गया है। हालांकि, भारत के इस दावे को पाकिस्तान ने खारिज कर दिया था। इतना ही नहीं, सैन्य, स्वतंत्र पर्यवेक्षकों के साथ–साथ अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने भी इसे खारिज किया था।

अब ग्रुप कैप्टन हैं अभिनंदन: अभिनंदन अब भारतीय वायु सेना में ग्रुप कैप्टन के पद पर प्रोन्नत किए जा चुके हैं। भारतीय सेना में ग्रुप कैप्टन की रैंक कर्नल के बराबर है। जब अभिनंदन ने पाकिस्तानी फाइटर प्लेन को मार गिराया था, उस समय वह 51 स्क्वाड्रन का हिस्सा थे।

सबसे बूढ़े राष्ट्रपति ने साल 2024 के लिए ठोकी ताल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिका के सबसे बूढ़े राष्ट्रपति जो बाइडन की चमक अब फीकी पड़ती जा रही है। ताजा अप्रूवल रेटिंग में बाइडन की लोकप्रियता में गिरावट आई है लेकिन वह एक बार फिर से साल 2024 के चुनाव में ताल ठोकने का दावा कर रहे हैं।

बाइडन की उम्र अभी 79 साल है और वह अभी अमेरिका के सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय वाइट हाउस ने बाइडन के दोबारा दावेदारी करने की पुष्टि की है। बाइडन ने यह दावेदारी ऐसे समय पर की है जब कमला हैरिस के दावेदारी की डेमोक्रेटिक पार्टी में चर्चा तेज है।

वाइट हाउस की प्रेस सेक्रटरी जेन पास्की ने कहा कि वह 2024 के विधानसभा चुनाव में दावा पेश करेंगे। यह उनका इरादा है। वाइट हाउस का यह बयान उन खबरों के बाद आया है जिसमें बाइडन ने अपने सहयोगियों को आश्ध्वासन दिया था कि वह साल 2024 में भी अपनी दावेदारी पेश करेंगे। उन्होंने इस बयान के जरिए उन अफवाहों को विराम देने की कोशिश की है जिसमें कहा जा रहा था कि बाइडन साल 2024 के बाद चुनाव नहीं लड़ेंगे। उनकी जगह पर कमला हैरिस को मैदान में उतारा जाएगा।

कोरोना प्रतिबंधों के खिलाफ सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) एम्सटर्डम। कोरोना वायरस की वापसी के चलते विदेशों में भी कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं। कोरोना प्रतिबंधों के विरोध में नीदरलैंड, बेल्जियम और फ्रांस में विरोध तेज हो गया है। यहां पर काफी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने इन तीनों जगह लगाए गए कोरोना प्रतिबंधों के खिलाफ विरोध–प्रदर्शन किया है। भीड़ को तितर–बितर करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछारें और आंसू गैस के गोले छोड़े। पूरे यूरोपीय शहरों में लोगों का आना जारी रहा। डीडब्ल्यू न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार काफी संख्या में लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। इस दौरान नीदरलैंड में के कई शहरों में दंगे भड़क उठे।

काला सोना के गढ़ में तेजी से बदल रही सूरत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मेलबर्न। ग्लासगो में अंतरराष्ट्रीय जलवायु शिखर सम्मेलन का उद्देश्य कोयला शक्ति को इतिहास में बदल देना है। कोयला खपत करने वाले कुछ प्रमुख देश 2030 के दशक में जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने पर सहमत हुए हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया उनमें शामिल नहीं है। 2050 तक कोई नया उत्सर्जन नहीं करने और पुराने उत्सर्जनों को हटाने के लक्ष्य तक पहुंचने की अपनी हाल ही में जारी योजना के तहत, संघीय सरकार ने एक ऐसा परिदृश्य तैयार किया जहां बिजली क्षेत्र 2050 में अब भी कोयले पर निर्भर है लेकिन बहुत सीमित स्तर तक।

ऑस्ट्रेलिया में बंद हो रहे कोयला प्लांट

कोयले को जिंदा रखने की संघीय सरकार की जिद के बावजूद राज्य इसे चरणबद्ध तरीके से खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन एक उलझा हुआ और राज्य–दर–राज्य दृष्टिकोण लगभग निश्चित रूप से उपभोक्ताओं के लिए भारी कीमत चुकाने वाला परिणाम है, अगर राष्ट्रीय स्तर पर एक विश्वसनीय, स्थायी जलवायु और ऊर्जा नीति नहीं बनती है तो। हाल ही में ग्रैटन इंस्टीट्यूट के विश्लेषण में पाया गया है कि अगर कोयले के उपयोग को अच्छी तरह से प्रबंधित किया जाता है, तो हम कम लागत पर बिजली पा सकते हैं और उत्सर्जन को कम कर सकते हैं। कोयला अर्थशास्त्र आज के ढांचे के अनुकूल नहीं ऑस्ट्रेलिया उपभोग से कहीं अधिक कोयले का निर्यात करता है। लेकिन हमारे पास अब भी 25 गीगावाट कोयले से चलने वाले ऊर्जा संयंत्र हैं, जिनमें से 23 राष्ट्रीय विद्युत बाजार (एनईएम) के लिए बिजली का उत्पादन करते हैं।

कोयले से चलने वाले ये ऊर्जा संयंत्र पुराने हो रहे हैं – इनमें से दो–तिहाई 2040 तक बंद होने वाले हैं। बाजार की स्थिति इन संयंत्रों के लिए लाभदायक बने रहना कठिन बना रही है, क्योंकि हाल के वर्षों में अक्षय ऊर्जा का उपयोग बढ़ गया है।

ऑस्ट्रेलियाई ने घर में छिपाकर रखा था पत्थर, निकला अनमोल खजाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में डेविड होल नामक शख्स ने सोना समझकर एक पत्थर को कई साल तक अपने घर में छिपाकर रखा। लाख प्रयास करने के बाद भी डेविड होल यह जान नहीं पाया कि आखिर इस पत्थर में सोना है या नहीं। डेविड बाद में उस पत्थर को लेकर ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न म्यूजियम पहुंचे। म्यूजियम वालों ने जब इस पत्थर को देखा तो उनकी आंखें फटी की फटी रह गईं। यह कोई आम पत्थर नहीं बल्कि अंतरिक्ष की यात्रा करके धरती पर पहुंचा उल्कापिंड था जो सोने से भी कीमती है। इसका वजन करीब 17 किलो है। डेविड को यह लाल और पीले रंग का भारी पत्थर साल 2015 में मेलबर्न के पास रीजनल पार्क में मिला था। 19वीं सदी में इस इलाके में कई सोने के पत्थर बहकर आए थे और इसी वजह से लोगों को सोना मिलने की उम्मीद रहती है। डेविड को भी लगा कि उन्हें सोने का पत्थर मिला है। उन्होंने सोने को पाने के लिए पत्थर को तोड़ने के कई प्रयास किए लेकिन ऐसा हो नहीं पाया।